University in News on 30 July 2025

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू छात्राओं, आशाओं ने डायरिया से बचाव सिखाया

ओआरएस दिवस

लखनऊ, संवाददाता। एलयू के फार्मेसी संस्थान में विश्व ओआरएस दिवस पर कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं हुईं। इसके तहत 30 से अधिक आशा बहनों, एएनएम के साथ 30 से ज्यादा छात्राओं की एक टीम ने रैली निकालकर डायरिया रोको अभियान चलाया। जिसके अंतर्गत सभी ने घर-घर जाकर मुफ्त ओआरएस बांटे। साथ ही डायरिया से बचाव के उपाय बताए।

मुख्य अतिथि सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने कहा कि ओआरएस नाम भारतीय वैज्ञानिक दिलीप महालांबीस ने दिया। इलेक्ट्रोलाइट इम्बैलेंस और डिहाइड्रेशन के लिए ओआरएस दिया जाता है।

आयोजक डॉ. सौम्या सिंह का कहना है कि वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता में डीफार्मा द्वितीय वर्ष के अभिषेक गुप्ता और बीफार्मा तृतीय वर्ष के सनी कुमार सिंह ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता जीती। विजेताओं को सम्मानित किया गया।

एलयू में 30 एडिशनल, असिस्टेंट डीएसडब्ल्यू बने

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय में 30 नए एडिशनल और असिस्टेंट डीएसडब्ल्यू नियुक्त किए गए हैं। कुलसचिव की ओर से आदेश जारी किया गया। कुलसचिव भावना मिश्रा ने बताया कि प्रो. ओएन उपाध्याय प्रो. अशोक कुमार कैथल, प्रो. शशि भूषण, प्रो. विजय कुमार राय, प्रो. कुसुम यादव, डॉ. मानिनी श्रीवास्तव और डॉ. अभिषेक तिवारी एडिशनल डीएसडब्ल्यू बने।

i-NEXT PAGE 5

यूडीआरसी पोर्टल से जमा होगा शुल्क

लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक और परास्नातक विषम सेमेस्टर (तीसरे, पांचवें, सातवें और नवें सेमेस्टर) के छात्र-छात्राओं को सत्र 2025-26 में प्रवेश शुल्क यूडीआरसी पोर्टल पर लागिन कर जमा करने के निर्देश दिए हैं. कुलसचिव डा. भावना मिश्रा ने इसका पत्र जारी कर दिया.

NBT PAGE 5

10 सितंबर को होगा एलयू में दीक्षांत समारोह

NBT रिपोर्ट, लखनऊः एलयू का दीक्षांत समारोह दस सितंबर को होगा। राजभवन से तारीख पर मुहर लग गई है। विवि की रजिस्ट्रार भावना मिश्रा ने बताया कि दस सितंबर की तारीख तय की गई है। अभी उसी के मुताबिक तैयारी की जा रही है। मेडल सूची पर काम चल रहा है। जल्द ही समारोह के आयोजन के लिए समितियों का गठन भी किया जाएगा जिसके बाद आगे की तैयारी की जाएगी। मुख्य अतिथि के नाम पर विचार किया जा रहा है जिसे अगले महीने कार्यपरिषद की बैठक में फाइनल किया जाएगा।

JAGRAN CITY PAGE III

'ओआरएस प्राथमिक व असरदार उपचार'

जासं • लखनऊः 'वर्ल्ड ओआरएस डे' के अवसर पर मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज की ओर से विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि चीफ मेडिकल आफिसर डा. एनबी सिंह एवं विशिष्ट अतिथि अलीगंज सीएचसी के अधीक्षक डा. विनय कुमार सिंह उपस्थित रहे। कुलपति प्रो.मनुका खन्ना ने बताया कि डायरिया जीवन को प्रभावित करता है। इसलिए इसके कम्पोजीशन के बारे में जानकारी होना जीवन को बचाने के लिए बहुत आवश्यक है। उन्होंने आशा बहनों को समाज में इसकी जागरूकता फैलाने के लिए धन्यवाद दिया।

संस्थान के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि डायरिया एक जानलेवा बीमारी है। इसलिए ये जागरुकता कार्यक्रम हमेशा चलते रहने चाहिए। जन जागरुकता से ही इस बीमारी पर पूरी तरह नियंत्रण पाया जा सकता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत रैली निकालकर "डायरिया रोको अभियान" के अंतर्गत घर -घर जाकर ओआरएस का मुफ्त वितरण किया। इसके इस्तेमाल और डायरिया से बचाव के उपाय भी बताए गए। पोस्टर और विडियो मेकिंग प्रतियोगिताएं भी हुई, जिसमें विजेता छात्र-छात्राओं को पदक व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

30 शिक्षक बने एडीएसडब्ल्यू

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने विभिन्न विभागों के 30 शिक्षकों को नई जिम्मेदारी सौंपी है। इनमें सात एडिशनल डीएसडब्ल्यू और 23 असिस्टेंट डीएसडब्ल्यू शामिल हैं। कुलसचिव डा. भावना मिश्रा ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। (जासं)

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

डायरिया जीवन को प्रभावित करता है : प्रो. मनुका खन्ना

लविवि के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज ने किया प्रतियोगिता का आयोजन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। वर्ल्ड ओआरएस डे के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज ने विभिन्न कार्यक्रमो और प्रतियोगिता का आयोजन मंगलवार को किया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. एनबी सिंह, चीफ मेडिकल ऑफिसर, लखनऊ एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. विनय कुमार सिंह, सुपरिटेंडेंट ऑफ सीएचसी, अलीगंज उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. आरके सिंह, निदेशक द्वितीय परिसर, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं प्रो. एके सिंह, संकायाध्यक्ष, अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं अन्य अतिथियों ने प्रतिभाग किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति ने आशा एवं एएनएम बहनों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि डायरिया जीवन को प्रभावित करता है इसलिए इसके कम्पोजीशन के बारे में जानकारी होना जीवन को बचाने के लिए बहुत आवश्यक है। आशा बहनो को समाज में इसकी जागरूकता फैलाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने सीएचसी की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए देश का स्वास्थ्य में इनके महत्वपूर्ण योगदान को बताया और आगे भी इस तरह के प्रोग्राम्स को सामान्य पब्लिक से जोड़ने के लिए जरुरी बताया। उन्होंने फार्मासिस्ट को भी समाज में उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया। कुलपति एवं शाल देकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि डॉ एनबी सिंह ने सबका आभार व्यक्त करते हुए बताया कि ओआरएस नाम इंडियन साइंटिस्ट दिलीप महालांबीस ने दिया। इलेक्ट्रोलाइट इम्बैलेंस एवं डिहाइड्रेशन के लिए ओआरएस दिया जाता है। 1971 में ओआरएस का ट्रायल लिया गया और देखा कि उस समय ओआरएस लोगो की जान बचाने में सक्षम था। लूज मोशन एंड वाटरली स्टूल के लिए ओआरएस का मुफ्त वितरण किया और इसका इस्तेमाल कब और कैसे करना है तथा डायरिआ से बचाव के उपाय भी बताये गए। इस अवसर पर पोस्टर और विडिओ मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमे विभिन्न छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में विजेताओं को सर्टिफिकेट एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। एएनएम एवं आशा बहनों ने भाग लेने वाले छात्र छात्राओं की प्रशंसा करते हुए बताया की उनका घर-घर जाकर ओआरएस बाटने का अनुभव बहुत अच्छा रहा।

इस दौरान कुलपति एवं अन्य अतिथियों ने सभी आशा एवं एएनएम बहनों का तुलसी का पौधा एवं शाल देकर स्वागत किया। कार्यक्रम की आयोजक डा. सौम्या सिंह (सहायक आचार्य) ने अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

AMRIT VICHAR PAGE 7, 9

लविवि : बुनियादी ढांचे की मजबूती पर कार्य करेंगी कुलपति

बनाए गए अतिरिक्त और सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना शैक्षिक उत्कृष्टता को बनाए रखते हुए बुनियादी ढांचे के विकास पर कार्य करेंगी। इसके लिए उन्होंने कार्यसूची भी बनानी शुरू कर दी है। राजनीति शास्त्र की शिक्षक प्रो. खन्ना की दृष्टि निरंतरता और नवीनता के बीच संतुलन बनाए रखना है।

कुलपति की पहली प्राथमिकता में छात्रहित सर्वोपरि है। इसके लिए छात्र कल्याण संबधित सभी गतिविधियों को जारी रखा जाएगा। छात्रों को तकनीक आधारित शिक्षा का पूरा लाभ मिले और वैश्विक

• छात्र हित के साथ शैक्षिक उत्कृष्टता बनाए रखी जाएगी

शैक्षिक परिदृश्य के साथ छात्र-छात्राएं तालमेल बिठा सके, इसका प्रयास किया जाएगा। तात्कालिक रूप से कक्षाओं के वातावरण में सुधार, सुविधाओं का उन्नयन, साफ़-सुथरे और सुरक्षित छात्रावास सुनिश्चित करना और पुस्तकालयों का आधुनिकीकरण शामिल है।

छात्रों की मांग विश्वविद्यालय ने मानी

छात्रावास में मेस फीस में 2,000 रुपये की वृद्धि के खिलाफ छात्र कई दिनों से विरोध कर रहे थे। छात्रों ने अधिष्ठाता छात्र कल्याण को ज्ञापन देकर पुरानी शुल्क व्यवस्था को बनाए रखने का अनुरोध किया था, जिसे विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्वीकार कर लिया है। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के इस निर्णय का स्वागत किया है।

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में नए अतिरिक्त और सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाताओं की नियुक्ति की गई है। ये सभी शिक्षक यह नई जिम्मेदारी अपने नियमित कार्यों के साथ-साथ निभाएंगे। अतिरिक्त छात्र कल्याण अधिष्ठाता के रूप में जिन शिक्षकों की नियुक्ति हुई है उनमें प्रो. ओएन उपाध्याय (अंग्रेजी विभाग), प्रो. अशोक कुमार कैथल (अर्थशास्त्र), प्रो. शशि भूषण (सांख्यिकी), प्रो. विजय कुमार राय (रसायन विज्ञान), प्रो. कुसुम यादव (जैव रसायन), डॉ. मनीनी श्रीवास्तव (मनोविज्ञान) और डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी (विधि विभाग, न्यू कैंपस) शामिल हैं। सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता की जिम्मेदारी डॉ. संगीता श्रीवास्तव, डॉ. प्रतिभा बंसल, डॉ. सुब्हान आलम खान, डॉ. अजय सिंह, डॉ. प्रशांत सिंह, डॉ. नीरज कुमार मिश्रा, डॉ. अन्विता वर्मा, डॉ. प्रिया, डॉ. देवेंद्र कुमार यादव, डॉ. आनंद पांडे, डॉ. आदित्य आभा सिंह, डॉ. शांभवी मिश्रा, डॉ. विनीट मैक्सवेल डेविड, डॉ. अभिषेक कुमार जायसवाल, डॉ. अंशु चौधरी, डॉ. विपिन पांडे और डॉ. सुषमा मिश्रा शामिल हैं। न्यू कैंपस में इंजीनियर जीशान अली सिद्दीक़ी, इंजीनियर संदीप कुमार गुप्ता और इंजीनियर प्रशांत कुमार सिंह (इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय), डॉ. पल्लवी ठक्कर और मोहम्मद तल्हा सिद्दीक़ी (प्रबंधन विज्ञान संस्थान) व डॉ. रोहित सिंह (औषधि विज्ञान संस्थान) शामिल हैं।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 7

लूजमोशन व वाटरली स्टूल के लिए ओआरएस सबसे बेहतर : डा. एनबी सिंह

वर्ल्ड ओआरएस डे पर लविवि में आयोजित हुए विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिता

लखनऊ (एसएनबी)। वर्ल्ड ओआरएस डे के अवसर पर मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज, लखनऊ विश्वविद्यालय के तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डा. एन.बी. सिंह, चीफ मेडिकल ऑफिसर, लखनऊ एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डा. विनय कुमार सिंह, सुपरिटेंडेंट ऑफ सीएचसी, अलीगंज उपस्थित रहे । इस अवसर पर डा. आर.के. सिंह, निदेशक द्वितीय परिसर, लविवि एवं प्रो. ए.के. सिंह, संकायाध्यक्ष,अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय, लविवि एवं अन्य अतिथियों ने प्रतिभाग किया।

इस दौरान मुख्य अतिथि डा. एन.बी. सिंह ने बताया कि ओआरएस नाम इंडियन साइंटिस्ट दिलीप महालांबीस ने दिया। इलेक्ट्रोलाइट इम्बैलेंस एवं डिहाइड्रेशन के लिए ओआरएस दिया जाता है। 1971 में ओआरएस का ट्रायल लिया गया और देखा गया कि उस समय ओआरएस लोगो की जान बचाने में सक्षम था। लूज मोशन एंड वाटरली स्टूल के लिए ओआरएस के अलावा और कोई ट्रीटमेंट की जरुरत नहीं है। लविवि कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने आशा एवं एएनएम बहनों का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने बताया कि डायरिया जीवन को प्रभावित करता है इसलिए इसके कम्पोजीशन के बारे में जानकारी होना जीवन को बचाने के लिए बहुत आवश्यक है। उन्होंने सीएचसी की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए देश का स्वास्थ्य में इनके महत्वपूर्ण योगदान को बताया और आगे भी इस तरह के प्रोग्राम्स को सामान्य पब्लिक से जोड़ने के लिए जरुरी बताया। उन्होंने फार्मासिस्ट को भी समाज में उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया।

संस्थान के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने सभी गणमान्य अतिथियों का अभिनन्दन करते हुए मुख्य अतिथियों को यहाँ आने के लिए आभार व्यक्त किया। प्रो. त्रिपाठी ने बताया कि डायरिया एक जानलेवा बीमारी है। इसलिए ये जागरुकता कार्यक्रम हमेशा चलते रहने चाहिए। जन जागरुकता से ही इस बीमारी पर पूरी तरह नियंत्रण पाया जा सकता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत रैली निकालकर 'डायरिआ रोको अभियान' के अंतर्गत घर-घर जाकर ओआरएस का मुफ्त वितरण किया और इसका इस्तेमाल कब और कैसे करना है तथा डायरिआ से बचाव के उपाय भी बताये गए। इस अवसर पर पोस्टर और विडिओ मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में विजेताओं को सर्टिफिकेट एवं मैडल देकर सम्मानित किया गया। एएनएम एवं आशा बहनों ने भाग लेने वाले छात्र छात्राओं की प्रशंसा करते हुए बताया की उनका घर-घर जाकर ओआरएस बाटने का अनुभव बहुत अच्छा रहा।

इस दौरान कुलपति एवं अन्य अतिथियों ने सभी आशा एवं एएनएम बहनों का तुलसी का पौधा एवं शाल देकर स्वागत किया। कार्यक्रम की आयोजक डा. सौम्या सिंह (सहायक आचार्य) ने अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

ओआरएस इम्बैलेंस के लिए असरदार इलाज

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में वर्ल्ड ओआरएस डे के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमो और प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. एनबी सिंह, चीफ मेडिकल ऑफिसर, डॉ. विनय कुमार सिंह, सुपरिटेंडेंट ऑफ़सीएचसी उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. आरके सिंह, व प्रो. एके सिंह, संकायाध्यक्ष, अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय ने प्रतिभाग किया। कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने बताया कि डायरिया जीवन को प्रभावित करता है इसलिए इसके कम्पोजीशन के बारे में जानकारी होना जीवन को बचाने के लिए बहुत आवश्यक है। डॉ. एनबी सिंह ने आभार व्यक्त करते हुए बताया की ओआरएस नाम इंडियन साइंटिस्ट दिलीप महालांबीस ने दिया।